सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 177 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 1 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

क्या हम यह नहीं जानते कि आत्म सम्मान आत्म निर्भरता के साथ आता है?
-डां. अब्दुल कलाम

जायसवाल का कमाल, रैंकिंग में... 7 | पंजाब-बिहार व बंगाल में सियासी... 3 | जो बेबस की गुहार न सुने वो कैसी... 2

बारिश आफत बनकर आई पूरे देश में सियासत भी गरमाई

नई संसद में टपकने लगा पानी, बरसात ने पूरे देश का हाल किया बेहाल

» हिमाचल में पांच स्थानों पर बादल फटने से भारी तबाही 53 लापता, दो की मौत

» केदारनाथ में बादल फटा आठ लोगों की जान ली

» वायनाड भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 200 के पार

» विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी समेत पूर्वोत्तर राज्यों में जमकर मानसून की बारिश हो रही है। भारी बारिश के दौरान बदरीनाथ हाईवे भूस्खलन के कारण बंद हो गया। भारी मानसूनी बारिश जहां आफत बनी हुई है। वहीं इस पर सियासत भी गरमाई है। जहां नई संसद परिसर में पानी टपकने को लेकर एनडीए सरकार पर कांग्रेस, आप व सपा ने हमला बोला है वहीं वायनाड पर गृहमंत्री के द्वारा संसद में यह कहना कि केरल सरकार को पहले ही चेतावनी दे दी गई थी के बयान को वंहा के सीएम विजयन ने नकार दिया है।

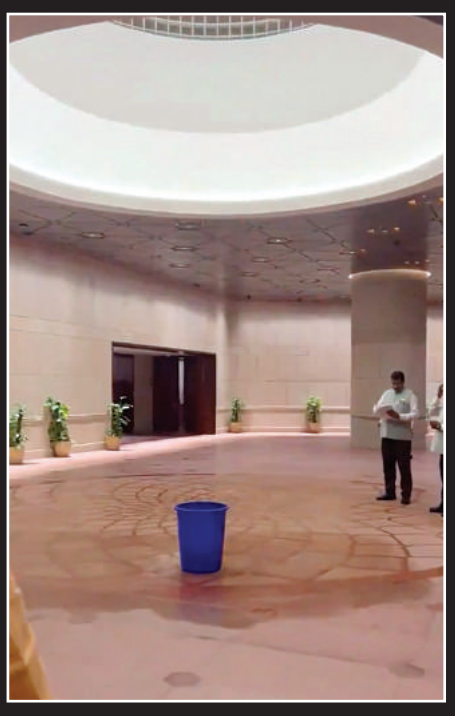

इसबीच भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने राहुल गांधी पर वार किया है। उधर सांसद शशी थरूर ने वायनाड हादसे को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। वहीं वायनाड भूस्खलन त्रासदी में मरने वालों की संख्या 273 तक पहुंच गई है, जबकि लगभग 200 लोग अभी भी लापता हैं। केरल की अब तक की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा के तीसरे दिन 1,200 से अधिक बचाव अधिकारियों ने सुबह अपना अभियान शुरू किया। उत्तराखंड के नंदप्रयाग के पर्थाडीप और बाजपुर में करीब 10 घंटे तक वाहनों की आवाजाही रुकी रही। देर शाम नोएडा, गाजियाबाद व अन्य इलाकों में झमाझम बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया।

हिमाचल प्रदेश में सभी शिक्षण संस्थान बंद

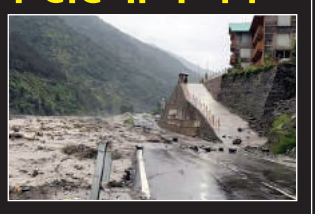

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आनी के निरमंड में दो जगह, कुल्लू के मलाणा, मंडी जिले के थलटूखोड़ व चंबा जिले में बादल फटे हैं। बादल फटने से भारी तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। चारों स्थानों पर करीब 53 लोग लापता हो गए है। दो शव बरामद हुए हैं। मंडी जिले में 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। बादल फटने की घटना के बाद मंडी के पधर के सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान आज बंद कर दिए गए हैं। डीसी ने आदेश जारी किए हैं। कुल्लू में भी सभी शिक्षण संस्थान 2 अगस्त के लिए बंद कर दिए गए हैं।

हाई अलर्ट पर केदारघाटी यात्रा रोकी

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बादल फटने से मची भारी तबाही के बाद यात्रा को रोक दिया गया है। केदारघाटी में हाईअलर्ट जारी किया गया है। वहीं बड़ी लिंचोली में रेस्क्यू अभियान जारी है। श्रद्धालुओं को आपातकालीन हेली पैड पर लाया जा रहा है। उनके साथियों की जानकारी ली जा रही है। नदी पार करवाने के लिए एनडीआरएफ, डीडीआरएफ जवान मदद कर रहे हैं। सीएम धामी आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया।

केरल पहुंचे राहुल और प्रियंका, रिलीफ कैंप जाकर पीड़ितों से की मुलाकात

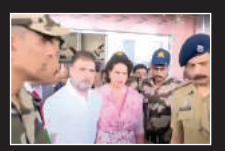

आज सुबह ही वायनाड का दौरा करने के लिए राहुल और प्रियंका गांधी निकले। कन्नूर पहुंचने के बाद राहुल और प्रियंका गांधी ने रिलीफ कैंप जाकर पीड़ितों से मुलाकात की। वहीं केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने वायनाड में सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। इससे पहले केरल के सीएम वायनाड के कलपेट्टा में सिविल स्टेशन पहुंचे। वह अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की । मुख्य सचिव वी वेणु और डीजीपी शेख दरवेश साहिब तिरुवनंतपुरम से हेलीकॉप्टर पर मुख्यमंत्री के साथ थे। केरल के मंत्री के राजन ने कहा, यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है, 1600 से अधिक बल बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि लगातार बारिश और प्रतिकूल मौसम के कारण लैंडिंग असंभव होगी। नेताओं ने यथाशीघ्र जिले का दौरा करने की मंशा व्यक्त की।

राहुल गांधी 1800 दिनों से सांसद हैं, पर एक बार भी नहीं उठाया मुद्दा : तेजस्वी सूर्या

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने तीखी आलोचना करते हुए वायनाड में हुए विनाशकारी भूस्खलन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। लोकसभा में बोलते हुए सूर्या ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वायनाड के सांसद के रूप में गांधी के 1,800 दिनों के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने एक बार भी विधानसभा या संसद में भूस्खलन और बाढ़ के गंभीर मुद्दों को संबोधित नहीं किया था। भाजपा के युवा नेता ने आगे कहा कि 2020 में, केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने वायनाड में भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों से 4,000 परिवारों को स्थानांतरित करने की सलाह दी। उन्होंने दावा किया कि केरल के वन मंत्री ने विधानसभा में स्वीकार किया कि वे अवैध अतिक्रमण नहीं हटा पा रहे हैं क्योंकि उन पर विभिन्न धार्मिक संगठनों का दबाव था।

दिल्ली पुलिस को बिभव कुमार की जमानत याचिका पर सुप्रीम नोटिस

» स्वाति मालीवाल मारपीट पर कोर्ट सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल से कथित तौर पर मारपीट किए जाने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की जमानत अर्जी पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बिभव कुमार की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है, इस मामले की अगली सुनवाई अब 7 अगस्त को होनी है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और दीपांकर दत्ता की पीठ ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर वह घटना के तुरंत बाद 112 पर कॉल कर रही है, तो यह क्या दर्शाता है? मुख्यमंत्री का कार्यालय निजी आवास है? हम सकते में हैं, बिभव कुमार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि एफआईआर तीन दिन बाद दर्ज कराई गई? सुप्रीम कोर्ट ने चार्जशीट के बारे में पूछा तो सिंघवी ने कहा कि जिसआदेश को हमने चुनौती दी है उसके बाद चार्जशीट दाखिल हुई है, सिंघवी ने हत्या के दो मामलों में आरोपी को जमानत मिलने का हवाला दिया तो जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें उन मामलों का हवाला ना दें।

अगली सुनवाई अब 7 अगस्त को

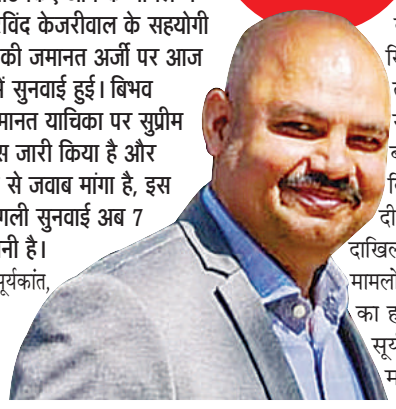

सुप्रीम फैसला : कोटे के अंदर कोटा वैध

» शीर्ष अदालत ने एससी-एसटी आरक्षण के भीतर आरक्षण को दी मान्यता

» सीजेआई की अगुवाई वाली 7 जजों की बेंच का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसी-एसटी आरक्षण के भीतर अब कोटा मान्य होगा, ये फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। सीजेआई जस्टिस चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली 7 जजों की बेंच ने गुरुवार को अपना फैसला सुनाते हुए ये साफ कर दिया कि राज्यों के भीतर नौकरियों में आरक्षण देने के लिए कोटा के भीतर कोटा दिया जा सकता है। 2004 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला बहुत ही अहम है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उपवर्गीकरण का आधार राज्य के सही आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए। इस मामले में राज्य अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकते। जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि जमीनी हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता, एससी/एसटी के भीतर ऐसी श्रेणियां हैं, जिन्हें सदियों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

अनुच्छेद 14 जाति के उप वर्गीकरण की अनुमति देता है

अदालत को यह जांचना चाहिए कि क्या वर्ग समरूप है और किसी उद्देश्य के लिए एकीकृत नहीं किए गए वर्ग को आगे वर्गीकृत किया जा सकता है। अदालत ने कहा, हालांकि आरक्षण के बावजूद निचले तबके के लोगों को अपना पेशा छोड़ने में कठिनाई होती है। जस्टिस बी आर गवई ने सामाजिक लोकतंत्र की आवश्यकता पर दिए गए बीआर अंबेडकर के भाषण का हवाला देते हुए कहा कि पिछड़े समुदायों को प्राथमिकता देना राज्य का कर्तव्य है, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के केवल कुछ लोग ही आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि एससी/एसटी के भीतर ऐसी श्रेणियां हैं जिन्हें सदियों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है. उप-वर्गीकरण का आधार यह है कि एक बड़े समूह में से एक ग्रुप को अधिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है.

2004 के फैसले को पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2004 के फैसले में कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए एसी/एसटी की सब कैटेगरी करने का अधिकार नहीं है। अदालत के सामने अब मुद्दा एक बार फिर से कोटे के भीतर कोटे का था,अब अदालत ने साफ कर दिया है कि कोटा के भीतर कोटा दिया जा सकता है।

जो बेबस की गुहार न सुने वो कैसी सरकार : अखिलेश

सपा ने हत्या के दोषी भाजपा के पूर्व विधायक को क्षमा किये जाने पर सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के एक नेता की हत्या के मामले में दोषी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा क्षमा और जेल से रिहा किये जाने पर अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिकिया दी है।

करवारिया की रिहाई पर यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप्र भाजपा सरकार के पास 'अपराध के खिलाफ' अपनी 'जीरो टॉलरेंस' की तथाकथित नीति को सच कर दिखाने का मौका है। देखते हैं 'न्याय' के साथ कौन खड़ा होता है। भाजपाइयों की आपसी राजनीति का खामियाजा कोई तीसरा क्यों भुगते। उन्होंने कहा, जो न सुने बेबस की गुहार, वो नहीं सरकार! जवाहर की पत्नी और प्रतापपुर सीट से सपा विधायक विजमा यादव ने कहा मेरे पति की 1996 में हत्या कर दी गई थी। 18 साल के संघर्ष के बाद मुझे अदालत से न्याय मिला और आरोपी जेल गए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में पहली बार एके-47 राइफल का इस्तेमाल करने वालों को भाजपा सरकार ने रिहा कर दिया है।

राज्यपाल ने क्षमा किया, तो मिली रिहाई

प्रयागराज में 13 अगस्त, 1996 को सपा के पूर्व विधायक जवाहर यादव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में उदयभान करवरिया, उनके भाई कपिलमुनि करवरिया, भाई सूरजभान करवरिया और एक अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था और चार नवंबर, 2019 को करवरिया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। राज्यपाल पटेल द्वारा क्षमा किए जाने के बाद करवरिया को 25 जुलाई को प्रयागराज की नैनी जेल से रिहा कर दिया गया।

मेरे परिवार को भी खतरा : विजमा यादव

विजमा यादव ने कहा, मेरे पति की हत्या हुई। मैं कहना चाहती हूं कि मुझे और मेरे परिवार को भी मारा जा सकता है। सरकार कहती है कि गुंडाराज खत्म हो गया है लेकिन एके-47 से गोलीबारी करने वालों को रिहा किया जा रहा है। राज्यपाल भी मेरी तरह महिला हैं। रिहाई के लिए उन्होंने कहा कि यह उनके अच्छे आचरण के कारण हुआ है। बहुत सारे निर्दोष लोग जेलों में पड़े हैं तो उन्हें भी रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहती हूं कि आप महिलाओं के हितैषी हैं, इसलिए आपको मेरे साथ जो हो रहा है, उस पर भी विचार करना चाहिए।

नई से तो अच्छी पुरानी संसद थी : सपा प्रमुख

» नई इमारत की छत से टपकते पानी पर सपा मुखिया ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार शाम की बारिश ने सभी इलाकों के ड्रेनेज सिस्टम को फेल कर दिया। संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, रफी मार्ग समेत दिल्ली की सभी मुख्य व अंदरूनी सड़कों व गलियों पर पानी भर गया। कनॉट प्लेस, चांदनी चौक समेत सभी बाजार लबालब थे। इसी बीच संसद की नई बिल्डिंग की छत से टपकने का वीडियो ने पानी लीकेज का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया।

इसके बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर वीडियो के साथ पोस्ट लिखा कि इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी। जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है।

कांग्रेस नेता ने शेयर किया वीडियो

वीडियो में देख सकते हैं कि छत से पानी टपक रहा है। नीचे फर्श पर एक बकेट रखा है। पानी को फैलने से रोकने के लिए रखा गया है। तमिलनाडु की विरुधुनगर लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने साझा किया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लिखा कि बाहर पेपर लीकेज, अंदर वॉटर लीकेज। राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली संसद लॉबी में हाल ही में पानी का रिसाव, नए भवन में मौसम संबंधी समस्याओं को उजागर करता है।

दिल्ली के गाजीपुर में मां-बेटे की नाले में डूबने से मौत पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली में भारी बारिश के बाद सड़कों पर जलभराव को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार और एलजी वीके सक्सेना को कटघरे में खड़ा किया है। जहां बीजेपी और उनके एलजी की जिम्मेदारी होती है, वहां ये लोग मौन साध लेते हैं। यह नहीं चलेगा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक कुलदीप कुमार वहां गए और हर संभव प्रयास किए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस घटना के लिए सीधे तौर पर बीजेपी के एलजी और उनकी डीडीए जिम्मेदार है।

गुरुवार उन्होंने कहा कि मयूर विहार में दिल्ली यूपी बॉर्डर पर डीडीए एक नाले का निर्माण कर रहा है। लापरवाही की हद इतनी है कि सावधानी के लिए कहीं भी कोई संकेतक तक नहीं लगाया गया है। इसी के चलते जब यहां बारिश के दौरान जलभराव हुआ तो ढाई साल का एक बच्चा उसमें गिर गया। बच्चे को बचाने में मां भी डूब गईं, लेकिन एलजी और डीडीए दोनों ही शांत हैं। उन्होंने इस घटना को हादसा नहीं बल्कि हत्या करार दिया।कल हुई भारी बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया था। हमारे विधायकों और पार्षदों ने जमीन पर उतरकर अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ काम किया। इसी तरह संजय सिंह ने बारिश के चलते संसद भवन परिसर में पानी भर जाने पर भी अंगुली उठाई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उन कंपनियों को संसद तैयार करने का ठेका दिया, जिन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भाजपा को रिश्वत दी। इसीलिए अब संसद में पानी भर रहा है और भाजपा चुप है। प्रेस वार्ता को आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कर और विधायक कुलदीप कुमार ने भी संबोधित किया।

» इस हादसे के लिए एलजी व केंद्र सरकार जिम्मेदार : संजय सिंह

माले सांसद सुदामा प्रसाद ने संसद में खोली रेलवे की पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आरा/पटना। आरा से माले सांसद सुदामा प्रसाद ने लोकसभा के बजट सत्र में रेलवे से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि ट्रेन में दलालों के जरिए आसानी से कंफर्म टिकट मिल जाता है। उन्होंने सदन में मांग की है कि रेलवे का अलग से बजट पेश किया जाना चाहिए।

आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि अलग से रेलवे का बजट पेश नहीं होने से विभाग की महत्ता कम होती है। इसका महत्व घटता है। मेरी राय है कि आनेवाले दिनों में रेलवे का बजट अलग से सदन में पेश किया जाए। माले सांसद सुदामा प्रसाद यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा जो रेलवे का अंधाधुंध निजीकरण किया जा रहा है, इसपर रोक लगाई जानी चाहिए। पूंजीपतियों की दिलचस्पी मुनाफे में है। रेल यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सुविधाओं को बढ़ाने में नहीं है। सांसद ने सदन में वेटिंग लिस्ट का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज ट्रेनों में तीन-तीन महीने की वेटिंग मिलती है।

यूपी में चल रही प्रशासनिक गुंडई, वक्त आने पर जवाब देंगे : भीष्म शंकर तिवारी

» हरिशंकर तिवारी की मूर्ति पर चला बुलडोजर तो भड़के पुत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री और दिवंगत नेता हरिशंकर तिवारी के बड़े बेटे भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से उबाल ला दिया है। पोस्ट में प्रदेश सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार बदले की भावना के साथ काम कर रही है।

पंडित हरि शंकर तिवारी जी के जन्मदिवस 5 अगस्त को हमारे पैतृक गांव टांडा में उनकी मूर्ति और स्मृति द्वार का उद्घाटन होना था। इसको लेकर भव्य समारोह की तैयारियां चल रही थीं लेकिन इसी बीच बुलडोजर वाली सरकार का बुलडोजर आया और सब कुछ तहस-नहस कर दिया गया। यह बेहद ही निंदनीय और अमर्यादित कार्य है, जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। इसका जवाब हम कानूनी और विधिसंगत तरीके से देंगे। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 5 अगस्त 2024 को स्वर्गीय बाबूजी का जन्म दिवस है। जिसे हमारे पैतृक गांव टांडा की जनता और क्षेत्र वासियों सहित समर्थकों ने सर्वसम्मति से भव्यता के साथ मनाने का निर्णय लिया। इसमें हमारे परिवार की कोई सहभागिता नहीं है। इसके लिए पत्रक तैयार कर उपजिलाधिकारी को सूचनार्थ प्रेषित किया गया था।

उक्त तिथि को गांव वालों द्वारा पंडित हरिशंकर तिवारी जी की प्रतिमा और स्मृति द्वार का उद्घाटन करने की तैयारी की जा रही थी। इस बावत कई अतिथियों को निमंत्रण भी भेजा जा चुका था, लेकिन इसी बीच सत्ता के अहंकार में चूर बुलडोजर वाली सरकार ने 31 जुलाई को निर्माणाधीन चबूतरे और स्मृतिद्वार को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया।

'25 से घटाकर 21 साल करें चुनाव लड़ने की उम्र'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में आप सांसद राघव चड्ढा ने भारत में चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल की जाने की मांग की। अपने बयान में राघव ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम उम्र की है और हमारी 50 प्रतिशत आबादी 25 साल से कम उम्र की है।

युवा नेता ने यह भी कहा कि आजादी के बाद जब पहली लोकसभा चुनी गई तो 26प्रतिशत सदस्य 40 साल से कम उम्र के थे और जब 2 महीने पहले हमारी 17वीं लोकसभा चुनी गई तो केवल 12 प्रतिशत सदस्य 40 साल से कम उम्र के थे। राघव चड्ढा ने आगे कहा कि हम बूढ़े राजनेताओं वाला एक युवा देश हैं, हमें युवा राजनेताओं वाला एक युवा देश बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा भारत सरकार को एक सुझाव है कि चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष की जानी चाहिए।

पंजाब-बिहार व बंगाल में सियासी संग्राम

पीके के सक्रियता से बिहार में जदयू-राजद परेशान

» पंजाब में अस्तित्व की लड़ाई में जुटी अकाली दल
» बीजेपी बंगाल में टीमएसी के खिलाफ हमलावर
» कांग्रेस ने बनानी शुरू की रणनीति
» सुराज यात्रा से जन-जन से जुड़ेंगे प्रशांत किशोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार, बंगाल से लेकर पंजाब में सियासी उठापटक जारी है। बिहार में राजद व जदयू में रार मची है। तो पंजाब में अकाली दल में नेताओं के आनेजाने का क्रम जारी है। बंगाल में कांग्रेस व टीमएमसी के साथ बीजेपी भी नए-नए रणनीति बनाने में जुटी है। बिहार में पीके ने जदयू, राजद की नींद उड़ाई है। बंगाल में बीजेपी विधान सभा अध्यक्ष पर हमलावर है। पंजाब में आप ने अकाली दल, बीजपी व कांग्रेस सभी की सियासी जमीन खिसका दी है। बिहार में राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर ने कहा कि जब जन सुराज एक राजनीतिक दल बन जाएगा तो वह इसमें कोई पद नहीं मांगेंगे। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि बिहार के हजारों गांवों और छोटे शहरों में दो साल से अधिक की पदयात्रा के बाद, हमने एक बेहतर विकल्प देने के लिए औपचारिक रूप से पार्टी गठन की प्रक्रिया शुरू की, जो दशकों के दुख को समाप्त करेगी और बिहार के बच्चों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि वह जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचना जारी रखेंगे।

प्रशांत किशोर ने आगे लिखा कि जैसा कि वादा किया गया था, मैं पार्टी में कोई पद नहीं मांगूंगा और अगले कई महीनों तक जमीनी स्तर पर अपनी पहुंच जारी रखूंगा... और यह सब यहां के लोगों द्वारा एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में चुनी गई प्रार्थना से शुरू हुआ! उन्होंने कहा कि उनका अभियान 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर एक राजनीतिक दल बन जाएगा। उन्होंने आगे जोड़ा कि अगले दो महीनों में 1.5 लाख जन सुराज पदाधिकारी और लाखों जन सुराज के संस्थापक सदस्य (संस्थापक सदस्य) मिलकर विचार-विमर्श करेंगे और पार्टी की प्रमुख प्राथमिकताओं पर निर्णय लेंगे। पार्टी संविधान का मसौदा तैयार करना और उसे अंतिम रूप देना, और अंत में पार्टी के नेता(नेताओं) का चुनाव करना। भारतीय राजनीति में अपने रणनीतिक कौशल के लिए जाने जाने वाले प्रशांत किशोर जन सुराज अभियान के पीछे प्रेरक शक्ति रहे हैं। बिहार में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने की दृष्टि से शुरू किए गए इस अभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार जैसे प्रमुख मुद्दों को संबोधित करते हुए जमीनी स्तर पर जनता के साथ जुड़ने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पार्टी के गठन के साथ, जन सुराज का लक्ष्य 2025 का विधानसभा चुनाव ऐसे समय में लड़ना है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रहे हैं और राजद नेता तेजस्वी यादव अपने पारंपरिक मुस्लिम-यादव वोट बैंक से आगे जाने में असमर्थ हैं।

नीतीश कुमार का नीति आयोग की बैठक में न जाने पर सवाल

बिहार विधानसभा में भाकपा (माले)-लिबरेशन के नेता महबूब आलम ने कहा कि मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से केंद्र सरकार के इनकार के कारण मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। विपक्षी इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी)-लिबरेशन ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा देने से केंद्र के इनकार से पैदा हुई शर्मिंदगी के कारण नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुए। भाकपा (माले)-एल ने विशेष पैकेज पर भ्रामक दावों के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की आलोचना की और अगले महीने विरोध मार्च निकालने की घोषणा की। दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार की अनुपस्थिति पर जनता दल (यूनाइटेड) के नेताओं ने चुप्पी साधे रखी। मुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्य झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए पटना में पार्टी की बैठक की। बिहार विधानसभा में भाकपा (माले)-लिबरेशन के नेता महबूब आलम ने कहा, ''मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से केंद्र सरकार के इनकार के कारण मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। लोकसभा चुनावों के बाद जद (यू) ने एक राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की थी, जिसमें विशेष दर्जे की नयी मांग को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया था। लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से चूक गई थी और सहयोगी दलों पर बहुत अधिक निर्भर हो गई है।

बंगाल विस अध्यक्ष के खिलाफ राज्य भाजपा ने खोला मोर्चा

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को सदन के अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय पर कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की। भाजपा नेता ने प्रधान सचिव को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इशारे पर विपक्षी दल द्वारा पेश किए गए सभी स्थगन प्रस्तावों को मनमाने ढंग से अस्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा रखे गए प्रस्तावों का उद्देश्य लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना है। अधिकारी ने कहा कि बंद्योपाध्याय अध्यक्ष की भूमिका की आलोचना होने पर विपक्ष के सदस्यों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बंद्योपाध्याय सरकार की अक्षमता को छिपाने के लिए अपनी विवेकाधीन शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। अधिकारी ने

विपक्ष के सदस्यों के भाषणों के अंशों को बिना किसी वैध कारण के हटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अध्यक्ष सदन के नियमों और प्रक्रियाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं और उनकी गलत व्याख्या कर रहे हैं। इस बीच, अध्यक्ष ने कहा, ''अगर विपक्ष मेरे खिलाफ कोई अविश्वास प्रस्ताव पेश करता है तो वह इस पर टिप्पणी करेंगे।'' नंदीग्राम से विधायक अधिकारी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीति आयोग जैसे संगठनों की आलोचना करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुरोध पर विधानसभा अध्यक्ष ने अंतिम समय में असूचीबद्ध मामलों पर चर्चा की अनुमति दी लेकिन वे विपक्ष को राज्य में युवाओं और महिलाओं पर अत्याचार जैसे मुद्दों पर प्रस्ताव लाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। अधिकारी ने दावा किया, यह सरकार शिक्षक भर्ती घोटाले, चावल घोटाले, मवेशी घोटाले और रेत घोटाले में फंसी हुई है। तृणमूल कांग्रेस के कई नेता और मंत्री वर्तमान में जेल में हैं। लेकिन, विपक्ष को सदन में ऐसे मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं है। अधिकारी ने बंद्योपाध्याय पर छह तृणमूल विधायकों के शपथग्रहण में राज्यपाल की भूमिका को 'नजरअंदाज' करने और मीडिया की आवाज को दबाकर संविधान का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बंगाल को विभाजित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ प्रस्ताव की बात पर कहा, हम राज्य के किसी भी विभाजन के खिलाफ हैं, लेकिन सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति चिंताजनक है।

पंजाब में अकाली दल में मची भगदड़

वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भुंदर अनुशासन समिति का नेतृत्व करते हैं, जिसमें महेशिंदर सिंह ग्रेवाल और गुलज़ार सिंह राणिके भी शामिल हैं। ग्रेवाल बैठक में शामिल हुए जबकि राणिके फोन पर शामिल हुए। पंजाब में लोकसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के प्रदर्शन के बाद वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग ने पिछले महीने बादल के खिलाफ विद्रोह करते हुए मांग की थी कि वह पार्टी प्रमुख का पद छोड़ दें। शिरोमणि अकाली दल ने पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा और पूर्व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति प्रमुख बीबी जागीर कौर सहित आठ नेताओं को निष्कासित कर दिया। शिरोमणि अकाली दल ने बागियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ बगावत करने वाले नेताओं को निष्कासित कर दिया है। कुछ वरिष्ठ नेताओं द्वारा एक साजिश के तहत पार्टी विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए, शिरोमणि अकाली दल की अनुशासनात्मक समिति ने चंदूमाजरा, कौर और पूर्व विधायक गुरप्रताप सिंह वडाला को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। पार्टी ने परमिंदर सिंह ढींडसा, सिकंदर सिंह मलूका, सुरजीत सिंह रखरा, सुरिंदर सिंह ठेकेदार और चरणजीत सिंह बराड़ को भी निष्कासित कर दिया। वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भुंदर अनुशासन समिति का नेतृत्व करते हैं, जिसमें महेशिंदर सिंह ग्रेवाल और गुलज़ार सिंह राणिके भी शामिल हैं। ग्रेवाल बैठक में शामिल हुए जबकि राणिके फोन पर शामिल हुए। पंजाब में लोकसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के प्रदर्शन के बाद वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग ने पिछले महीने बादल के खिलाफ विद्रोह करते हुए मांग की थी कि वह पार्टी प्रमुख का पद छोड़ दें। शिरोमणि अकाली दल ने कहा, लंबी चर्चा के बाद अनुशासन समिति ने निष्कर्ष निकाला कि ये नेता अपने कार्यों से पार्टी की छवि खराब कर रहे हैं। यह कार्रवाई विद्रोही नेताओं द्वारा शिरोमणि अकाली दल सुधार लहर (शिरोमणि अकाली दल सुधार आंदोलन) को मजबूत करने के लिए 13 सदस्यीय प्रेसिडियम की घोषणा के एक दिन बाद हुई। अध्यक्ष मंडल में वडाला, कौर, ढींडसा, रखरा, बराड़ और गगनजीत सिंह बरनाला शामिल थे। विद्रोही नेताओं ने 103 साल पुराने संगठन को मजबूत और उत्थान करने के लिए शिअद सुधार लह शुरू की थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हादसा नहीं हत्या, कौन है इसका जिम्मेदार!

दरअसल, राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था।

दिल्ली में घटे कोचिंग हादसे पर हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की। अदालत ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि सब जानते हुए समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं। कोर्ट ने कहा सब मिलबांट कर भ्रष्टाचार करत हैं। कोर्ट की टिप्पणी जायज है। वहीं अब तो यही चर्चा हो रही है कि यह हादसा नहीं हत्या है। अब नियम बनाने वालों को सोचना चाहिए यह समस्या दिल्ली की नहीं पूर देश की है। ज्यादातर शहरों में इस तरह के कोचिंग बेसमेंट में चल रहे हैं जहां कोई भी सुरक्षा के इंतजाम नहीं है। हालांकि गृहमंत्रालय ने कमेटी बनाई है जो रिपोर्ट देगी। पर इसमें जितनी जल्दी हो सकते कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि यह देश के भविष्य की बात है। दरअसल, राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दु:खी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है।

इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दु:खद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निर्दोषों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते? मामला में कोर्ट में जाने के बाद उम्मीद की जा सकती है कि कोई ठोस परिणाम निकलेगा ऐसे गोरखधंधा करने वालों पर नकेल कसी जा सकेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

माननीयों की फिसलती जुबान और जवाबदेही

विश्वनाथ सचदेव

जब दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ लोगों के लिए एक शब्द काम में लिया था- आंदोलनजीवी! उनका यह शब्द विपक्ष के लिए था, और विपक्ष के कई सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस प्रयोग पर आपत्ति भी प्रकट की थी। पता नहीं इस शब्द को असंसदीय कहा गया था या नहीं, पर यदि अब यह शब्द बोला गया तो निश्चित है इसे संसद की कार्रवाई के विवरण से हटा दिया जायेगा। यह बात इसलिए कही जा सकती है कि संसद में जुमलाजीवी शब्द को आपत्तिजनक माना गया है। इसी तरह कुछ और शब्द हैं जिन्हें हमारी संसद में असंसदीय माना गया है। अराजकतावादी, शकुनी, तानाशाह, जयचंद, विनाश पुरुष, खून से खेती जैसे और भी कई शब्द हैं जिन्हें संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है। कुछ शब्दों को बोलने पर रोक लगाने की यह परिपाटी क्यों शुरू की गई थी, पता नहीं, पर चौबीसों घंटे के समाचार चैनलों वाले इस युग में किसी शब्द को 'कार्रवाई से निकाल दिये जाने' का कोई खास मतलब रह नहीं जाता। अब संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई 'लाइव' दिखाई जाती है।

जब जो शब्द वहां बोला जाता है, सारी दुनिया तत्काल देख-सुन सकती है। ऐसे में किसी शब्द को रिकॉर्ड में न रखे जाने से क्या फर्क पड़ता है? फर्क तो तब पड़ेगा जब बोलने वाले को यह अहसास हो कि वह कुछ अनुचित तो नहीं बोल रहा। जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें। वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए। पर, सदन में जिस तरह का अप्रिय व्यवहार अक्सर दिख जाता है, उससे यह शंका होनी स्वाभाविक है कि हमारे नेता अपने बोले गये के प्रति कोई सावधानी बरतने के लिए सजग भी हैं अथवा नहीं?

शोर-शराबा, नारेबाजी, टोका-टाकी आदि तो स्वाभाविक है, पर इसकी भी कोई सीमा तो होनी चाहिए। सीमा के अतिक्रमण को हम कई बार देख-सुन चुके हैं। हमने अपने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को एक-दूसरे पर शब्द से ही नहीं हाथों से भी हमले करते देखा

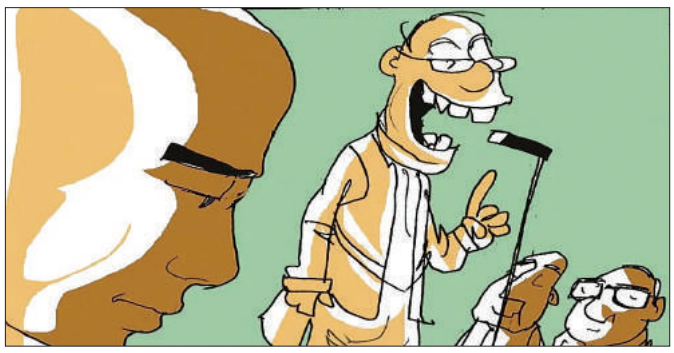

है। यह कहना तो गलत होगा कि हमारे प्रतिनिधि हमेशा आपत्तिजनक व्यवहार करते हैं, लेकिन सही यह भी है कि कई बार सदनों में संवादहीनता की स्थिति सीमाएं लांघ जाती है। इन सीमाओं का सम्मान होना चाहिए। संसद सड़क नहीं है। यूं तो सड़क पर भी व्यक्ति के व्यवहार की सीमाएं होती हैं, पर सदन के भीतर जो कुछ होता है वह आम नागरिक के लिए आदर्श व्यवहार का एक उदाहरण होना चाहिए। संसद के सदनों में, या विधानसभाओं में, जो कहा जाता है, जो किया जाता है, वह उच्चतम स्तर का होना चाहिए। सदन में होने वाली बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, शालीन होनी चाहिए। आज सवाल 'चाहिए' और 'है' के बीच के अंतर को समझने का है। सदन के भीतर हमारे प्रतिनिधि जो कहते हैं जिस तरह की शब्दावली काम में लेते हैं, उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। यह पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है कि वह किस शब्द को असंसदीय माने और उसे सदन की कार्रवाई से हटाने का निर्णय ले। असंसदीय मानी जाने वाली शब्दावली भी पीठासीन अधिकारी के विवेक का ही परिणाम होती है। इस संदर्भ में अक्सर विवाद होता है। अक्सर सांसद या विधायक अपने कहे को अनुचित मानने को लेकर आपत्ति करते हैं। जुमलाजीवी या बालबुद्धि या विनाश पुरुष जैसे शब्दों पर प्रतिबंध को लेकर भी विवाद सामने आये हैं। अक्सर विपक्ष के सदस्यों की शिकायत यह रहती है कि शब्दों को असंसदीय घोषित करके बोलने के उनके अधिकार का हनन किया जाता है, एक तरह से उनका गला घोंटा जाता है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि 'सरकार की वास्तविकता को उजागर करने वाले शब्दों को संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है।' लेकिन लोकसभा के स्पीकर का मानना है कि शब्दों पर प्रतिबंध लगाना और शब्दों को कार्रवाई से हटाने में अंतर होता है— 'कोई भी सरकार संसद में बोले जाने वाले शब्दों पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती।'

तकनीकी दृष्टि से देखा जाये तो स्पीकर का कहना सही लगता है। लेकिन सदस्य द्वारा बोले गये किसी शब्द को सदन की कार्रवाई से हटाए जाने का मतलब प्रतिबंध से कम भी नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का एक-दूसरे के व्यवहार को अनुचित ठहराना स्वाभाविक माना जा सकता है, पर जब विपक्ष को यह लगता है कि वह सारे शब्द कार्रवाई के विवरण से हटा दिये गये हैं जो सरकार की वास्तविकता को सामने लाते हैं तो 'असंसदीय शब्दों' को हटाने की परिपाटी पर सवाल तो उठता है।

आजादी और समानता के लिए दी शहादत

उधम सिंह किताब के बीच में पिस्तौल छुपाकर ले गया। वहां उधम सिंह ने गोलियां चलाई व ओडवायर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गिरफ्तारी के बाद पुलिस को दिए बयान में उधम सिंह ने अपना नाम मोहम्मद सिंह आजाद बताया। कुछ लेखकों ने यह नाम राम मोहम्मद सिंह आजाद बताया है। अपने बयान में उधम सिंह ने भारत में ब्रिटिश सम्राज्य की शोषणकारी नीतियों के प्रति विरोध व्यक्त किया।

अरुण कुमार कैहरबा

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन अनेक क्रांतिकारियों की वीरगाथाओं से भरा हुआ है, जो देश को आजाद करवाने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। उन्हीं में से एक थे शहीद उधम सिंह जिनकी देशप्रेम की भावना, क्रांतिकारी सोच, साहस और शहादत बेमिसाल है। उधम सिंह ने जलियांवाला बाग के नृशंस हत्याकांड का बदला लेने के लिए दुश्मन के देश में पहुंच कर अपना संकल्प पूरा करके शहादत दी। वे साम्राज्यवादी लूट, शोषण के प्रति आक्रोश से भरे थे और सामाजिक बदलाव के लिए साम्राज्यवादी शासन को समाप्त कर देना चाहते थे। समानता-न्याय आधारित समाज उनका सपना था। उधम सिंह का जन्म 26 दिसंबर, 1889 में पंजाब के संगरूर के तहत सुनाम में हुआ था। उनके पिता टहल सिंह व मां हरनाम कौर थी। टहल सिंह रेलवे में फाटकमैन की नौकरी के साथ ही खेती भी करते थे। जन्म के समय उधम सिंह का नाम शेर सिंह रखा था। शेर सिंह जब तीन साल के थे तब मां का देहांत हो गया।

शेर सिंह के एक बड़े भाई भी थे- साधु सिंह। एक दिन शेर सिंह पर भेड़िये ने हमला कर दिया । इस घटना ने पिता को भयभीत कर दिया। उन्होंने नौकरी छोड़ दी और दोनों बच्चों को साथ लेकर अमृतसर की ओर चल दिए। साल 1907 में शेर सिंह जब आठ साल के थे, अमृतसर जाते हुए पिता टहल सिंह की बीमारी से मृत्यु हो गई। हालांकि पिता ने मृत्यु से पहले एक व्यक्ति चंचल सिंह को शेर सिंह व साधु सिंह की जिम्मेदारी सौंप दी थी। चंचल सिंह के कहने पर दोनों को अमृतसर के सेंट्रल सिख अनाथालय में दाखिला मिला। अनाथालय में ही शेर सिंह को उधे सिंह और बड़े भाई साधु सिंह को मुक्ता सिंह नाम से जाना जाने लगा। यहां उधम सिंह ने करीब दस साल बिताए व मैकेनिक का काम सीखा। उधम सिंह धार्मिक-राजनीतिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेने लगे। साल 1917 में उधम सिंह के बड़े भाई साधु सिंह का भी देहांत हो गया।

13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में इकट्ठे हुए हजारों निहत्थे लोगों पर अंग्रेजों ने जनरल डायर के नेतृत्व में गोलियां बरसा दी। जान बचाने के लिए बड़ी संख्या में लोग कुंए में कूद गए। सैकड़ों लाशें कुंए से निकली। इस नृशंस हत्याकांड के बारे में सुनकर उधम सिंह का खून खौल गया। उन्होंने इस घटना का बदला लेने का संकल्प किया। वह क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे। साल 1927 में अमृतसर में पुलिस ने उधम सिंह से पिस्तौल और गदर पार्टी का साहित्य बरामद किया। उन्हें पांच साल की सजा दी गई। उधम सिंह ने जीवन में समय-समय पर अपने कई नाम रखे। 20 मार्च, 1933 को लाहौर से 34 साल की आयु में शेर सिंह ने नए उधम सिंह नाम से अपना पासपोर्ट बनवाया। तभी से वे उधम सिंह के तौर पर जाने जाने लगे और आजादी की लड़ाई में यही नाम उनकी पहचान बन गया। उधम सिंह अफ्रीका, नैरोबी, ब्राजील और अमेरिका होते हुए 1934 में ब्रिटेन पहुंचे। वहां अलग-अलग जगह रहकर मोटर-मिस्त्री, कारपेंटर व ड्राइवर के रूप में अनेक कार्य किए। वहीं फिल्मों में भी काम किया। जलियांवाला हत्याकांड के 21 साल बाद लंदन स्थित कैक्सटन हॉल में 13 मार्च, 1940 को आयोजित एक समारोह में उधम सिंह को बदला लेने का मौका मिला। जलियांवाला बाग में गोलियां चलवाने वाला जनरल डायर तो बीमारी के कारण पहले ही मर चुका था। हत्याकांड के समय पंजाब का गवर्नर माइकल ओडवायर था, जिसे समारोह में आना था। उधम सिंह किताब के बीच में पिस्तौल छुपाकर ले गया। वहां उधम सिंह ने गोलियां चलाई व ओडवायर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गिरफ्तारी के बाद पुलिस को दिए बयान में उधम सिंह ने अपना नाम मोहम्मद सिंह आजाद बताया। कुछ लेखकों ने यह नाम राम मोहम्मद सिंह आजाद बताया है। अपने बयान में उधम सिंह ने भारत में ब्रिटिश सम्राज्य की शोषणकारी नीतियों के प्रति विरोध व्यक्त किया। मुकदमे में उधम सिंह को माइकल ओडवायर की हत्या का दोषी ठहराया गया। 31 जुलाई, 1940 को उधम सिंह को वहीं पेंटनविले जेल में फांसी दी गई व जेल परिसर में ही दफना दिया गया था। मरने के 34 साल बाद 19 जुलाई, 1974 को शहीद उधम सिंह की मिट्टी भारत में लाई गई। उधम सिंह इंकलाब और मोहब्बत की भावना से सराबोर थे। गदर पार्टी के शहीद करतार सिंह सराभा और शहीदे आजम भगत सिंह उसके प्रेरणास्रोत थे। उधम सिंह क्रांतिकारियों के विचारों से प्रभावित होने, अध्ययन और घुमक्कड़ी की वजह से दुनिया में हुए परिवर्तनों से वाकिफ थे। मोहम्मद सिंह आजाद उधम सिंह का सबसे पसंदीदा नाम था जिसमें सभी धर्म-सम्प्रदायों की एकता का उनका दर्शन समाया है। शहीदी दिवस पर उन्हें याद करने का मतलब उनके जीवन और विचारों से प्रेरणा लेना होना चाहिए।

नाश्ते में बच्चों को खिलाएं दही सैंडविच

एक समय था जब बच्चे घर का बना भोजन करना पसंद करते थे, लेकिन आज समय बदल गया है। आज के बच्चे बाजार में मिलने पकवानों को खाना ज्यादा पसंद करते हैं। जब उन्हें घर का बना कुछ खाने को दिया जाए तो उनके काफी नखरे होते हैं। ऐसे में हर मां के सामने ये दिक्कत रहती है कि वो अपने बच्चे को ऐसा क्या खिलाएं, जिसे वो मन से खाए और उसका पेट भी भर जाए। खासतौर पर परेशानी सुबह का नाश्ता बनाने में आती है। तो दही सैंडविच ऐसा नाश्ता है, जिसे आप कुछ ही देर में तैयार कर सकती हैं। आप चाहें तो इसे टिफिन में पैक भी करके भेज सकती हैं।

सामग्री

1 कप दही, ब्रेड, मक्खन, नमक, काली मिर्च पाउडर, चाट मसाला, 1 कटा हुआ प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, कटी हुई हरी धनिया।

विधि

दही सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही निकालें। अब इसे पूरी तरह से फेंट लें। फेंटने के बाद इसमें कटा हुआ प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च डालें। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद इसमें नमक, काली मिर्च पाउडर और हल्का सा चाट मसाला डालें। एक बार फिर इसे चमचे की मदद से सही से मिक्स करें। आखिर में इसमें कटी हुई धनिया पत्ती डालें। अब एक ब्रेड स्लाइस लेकर उसपर इस मिश्रण को लगाएं। सही से मिश्रण लगाने के बाद दूसरा ब्रेड इसके ऊपर रख दें। इसके बाद तवे को गर्म करके उस पर मक्खन लगाएं और फिर सैंडविच को सुनहरा होने तक सेकें। ये सैंडविच आप अपने बच्चे को जूस के साथ परोस सकती हैं। आप चाहें तो सैंडविच बनाने के लिए ब्राउन ब्रेड का इस्तेमाल कर सकती हैं।

घर पर तैयार करें पनीर रोल

हर घर में शाम के नाश्ते के लिए रोज कुछ न कुछ अलग बनाया जाता है। ऐसे में महिलाओं को अक्सर ये समझ नहीं आता कि वो हर दिन ऐसा क्या अलग बनाएं जो बड़े से लेकर बच्चे तक मन से खा लें। दरअसल, ज्यादातर घरों में देखा जाता है कि घर के बड़े तो सब कुछ खा लेते हैं लेकिन बच्चों को खाना खिलाना थोड़ा मुश्किल काम होता है। शाम के वक्त बच्चे बाहर के खाने की डिमांड करते हैं। अगर हर रोज उन्हें बाहर का खाना दिया जाए तो तबियत खराब होने का डर भी बना रहता है। ऐसे में आप बाजार जैसे पकवान घर पर बनाकर खिला सकती हैं। इसके लिए स्वादिष्ट पनीर रोल एक बेहतर विकल्प है।

बाजार जैसा स्वाद पाकर बच्चे भी हो जाएंगे खुश

सामान

मैदे की रोटी - 4, पनीर - 200 ग्राम, प्याज (बारीक कटा हुआ) - 1, शिमला मिर्च (बारीक कटी हुई) - 1, टमाटर (बारीक कटा हुआ) - 1, अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 चम्मच, हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) - 1-2, लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच, गरम मसाला - 1/2 चम्मच, चाट मसाला - 1/2 चम्मच, नमक - स्वादानुसार, तेल - 2-3 चम्मच, हरा धनिया (बारीक कटा हुआ) - 2-3 चम्मच, नींबू का रस, हरी चटनी या टोमेटो सॉस।

विधि

रोल तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले इसकी स्टफिंग बनानी है। इसके लिए एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें बारीक कटी प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन पेस्ट डालें और कुछ सेकंड भूनें। इसके बाद इसमें बारीक कटी हुई शिमला मिर्च और टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं। इसके बाद बारीक कटा पनीर, लाल मिर्च पाउडर, गर्म मसाला, चाट मसाला, हरी मिर्च, और नमक डालें। अब इसे अच्छी तरह से मिलाएं और 2-3 मिनट तक पकाएं। अंत में बारीक कटा हुआ हरा धनिया और नींबू का रस डालें और मिलाएं। बस ये स्टफिंग तैयार है। अब रोल बनाने के लिए एक तवा गर्म करें और उसपर रोटी सेकें। सेकने के बाद रोटी पर हरी चटनी या टोमेटो सॉस फैलाएं। इसके बाद तैयार पनीर स्टफिंग को रोटी के बीच में रखें। अब रोटी को रोल की तरह मोड़ें और एक तवा पर हल्का सा तेल डालकर रोल को सभी ओर से सुनहरा होने तक सेंकें। अब इस रोल को आप गर्मागर्म परोसें। चाहें तो इसके साथ आप कोल्ड ड्रिंक भी सर्व कर सकती हैं।

हंसना मना है

पति- देखो बाहर बारिश हो रही है। पत्नी- कुछ सोचना भी मत। घर में बेसन नहीं है, प्याज वैसे भी बहुत महंगे हैं और आज बाई भी नहीं आई है, सारे बर्तन जूठे पड़े हैं। हां, अब ये मत कह देना कि चलो एक गिलास और आइस दे दो, बच्चे अब बड़े हो गए हैं, ये सब अब घर में बिल्कुल नहीं चलेगा। पति झल्लाकर बोला- अब क्या मैं ये भी नहीं कह सकता हूं कि बाहर बारिश हो रही है।

भिखारी- बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। मोनू- पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी- मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

संता- यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं, बंता- अबे तो डरता क्यों है? संता- सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं, बंता- अबे ज्यादा टेंशन मत ले, 10वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

कहानी

दूध से भरा कुआं

एक राजा के राज्य में महामारी फैल गयी। चारों ओर लोग मरने लगे। राजा ने इसे रोकने के लिये बहुत सारे उपाय करवाये मगर कुछ असर न हुआ और लोग मरते रहे। दुखी राजा ईश्वर से प्रार्थना करने लगा। तभी अचानक आकाशवाणी हुई। आसमान से आवाज आयी कि हे राजा! तुम्हारी राजधानी के बीचों बीच जो पुराना सूखा कुंआ है, अगर अमावस्या की रात को राज्य के प्रत्येक घर से एक-एक बाल्टी दूध उस कुएं में डाला जाये तो अगली ही सुबह ये महामारी समाप्त हो जायेगी और लोगों का मरना बन्द हो जायेगा। राजा ने तुरन्त ही पूरे राज्य में यह घोषणा करवा दी कि महामारी से बचने के लिए अमावस्या की रात को हर घर से कुएं में एक-एक बाल्टी दूध डाला जाना अनिवार्य है। अमावस्या की रात जब लोगों को कुएं में दूध डालना था। उसी रात राज्य में रहने वाली एक चालाक एवं कंजूस बुढ़िया ने सोंचा कि सारे लोग तो कुंए में दूध डालेंगे, अगर मैं अकेली एक बाल्टी पानी डाल दूं तो किसी को क्या पता चलेगा। इसी विचार से उस कंजूस बुढ़िया ने रात में चुपचाप एक बाल्टी पानी कुंए में डाल दिया। अगले दिन जब सुबह हुई तो लोग वैसे ही मर रहे थे। कुछ भी नहीं बदला था क्योंकि महामारी समाप्त नहीं हुई थी। राजा ने जब कुंए के पास जाकर इसका कारण जानना चाहा तो उसने देखा कि सारा कुंआ पानी से भरा हुआ है। दूध की एक बूंद भी वहां नहीं थी। राजा समझ गया कि इसी कारण से महामारी दूर नहीं हुई और लोग अभी भी मर रहे हैं। दरअसल ऐसा इसलिये हुआ क्योंकि जो विचार उस बुढ़िया के मन में आया था वही विचार पूरे राज्य के लोगों के मन में आ गया और किसी ने भी कुंए में दूध नहीं डाला। जब भी कोई ऐसा समाज का धर्म का गौसंरक्षण का काम आता है जिसे बहुत सारे लोगों को मिल कर करना होता है तो अक्सर हम अपनी जिम्मेदारियों से यह सोच कर पीछे हट जाते हैं कि अब तो बहुत से लोग जुड़ गए हैं कोई न कोई तो कर ही देगा और हमारी इसी सोच की वजह से स्थितियां वैसी की वैसी बनी रहती हैं। अगर हम दूसरों की परवाह किये बिना अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने लग जायें तो समाज में ऐसा बदलाव ला सकते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ

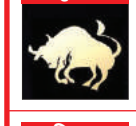

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

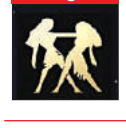

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

सिंह

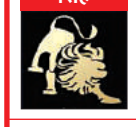

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

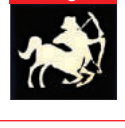

दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें।

मकर

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा।

कुम्भ

किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन

कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे शुरुआत में जॉलाइन पर सुनने पड़ते थे ताने : राधिका

राधिका मदान ने अपने करियर की शुरुआत टीवी इंडस्ट्री से की थी। टीवी इंडस्ट्री से बाहर आकर एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई है। राधिका मदान अक्षय कुमार के साथ फिल्म सरफिरा में नजर आई हैं। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया है। राधिका इससे पहले भी कई बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने लुक्स को लेकर खुलासा किया है। राधिका ने इंटरव्यू में बोटॉक्स, फिलर्स और राइनोप्लास्टी के बारे में खुलकर बात की है। राधिका ने बताया है कि करियर की शुरुआत में लोग उन्हें कहते थे कि वह काफी सुंदर नहीं है, उनकी जॉलाइन आकर्षक नहीं है। उन्हें सर्जरी कराने की सालह दी थी, लेकिन मुझे सर्जरी कराने की जरूरत महसूस नहीं हुई। राधिका ने आगे बोला कि जो लोग सर्जरी करवाते हैं, मैं उन लोगों को जज नहीं करती हैं। क्योंकि सर्जरी करवाने के बाद आत्मविश्वास मिलता है, आत्मछवि में सुधार आता है जो कि बेहद जरूरी होता है। करियर की शुरुआत में लोग मुझे बोलते थे कि मेरी जॉलाइन (जबड़) थोड़ा टेढ़ा है। एक्ट्रेस ने हंसते हुए बोला कि वो लोग क्या चाहते हैं कि मैं तराजू लेकर बैठ जाऊं और जॉलाइन का नाप लूं। मैं उस समय बहुत हैरान थी। क्योंकि मुझे मैं बहुत सही लगती हूं। कौन लोग हैं जिन्हें मैं सुंदर नहीं लगती हूं। मैंने कभी भी इन ब्यूटी स्टैंडर्ड्स को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। इंटरव्यू में राधिका ने बताया है कि वह फिलहाल किसी ब्यूटी सर्जरी से नहीं गुजरना चाहती हैं। लेकिन भविष्य में अगर मुझे लगा कि मुझे फीचर ऑगमेंटेशन कराना है तो मैं जरूर करूंगी। अभी तो मैं इस चीज के लिए तैयार नहीं हूं लेकिन कुछ सालों बाद मैं इस बात के लिए मान लूं। यह सब उस समय मेरी आत्म छवि पर निर्भर है। बाकि मैं भी अपने आपको करीना कपूर मानती हूं। अगर ऐसा नहीं भी है तो मैं खुद को जज नहीं करती।

30 अगस्त को रिलीज होगी सनी लियोनी की फिल्म 'कोटेशन गैंग'

सनी लियोनी अपनी अपकमिंग मूवी 'कोटेशन गैंग' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फैंस बेसब्री से इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्ममेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। 'कोटेशन गैंग' 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है ।

बता दें, पहले यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म 30 अगस्त को रिलीज होगी। यह फिल्म तीन भाषाओं में रिलीज होगी हिंदी, तमिल और तेलुगू। सनी ने इंस्टाग्राम पर नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है, साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने इंटेंस अवतार को दिखाने वाला एक नया मोशन पोस्टर भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'मुझे अनाउंस करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 'कोटेशन गैंग' 30 अगस्त,

2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। अपने यादगार सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए।'

फिल्म का ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है, जिसकी शुरुआत एक डायलॉग से होती है- 'गैंग का मेंबर बनना आसान नहीं हैं।' यह गैंग वॉर पर आधारित कहानी है, जिसमें जैकी श्रॉफ खूंखार अवतार में नजर आए हैं। वहीं सनी का किरदार दर्शकों को चौंकाने वाला है। ट्रेलर में सनी की एंट्री बेहद खतरनाक तरीके से होती है। वह हथियार लेकर दूसरे गैंग के लीडर को मारने जाती हैं, जिसे देखकर सबके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। 'कोटेशन गैंग' की शूटिंग कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में की गई है। फिल्म में जैकी श्रॉफ, प्रियामणि, सारा अर्जुन, अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन अहम रोल में नजर आएंगे।

'फक्त पुरुषो माते' में बिग बी का दिखा अनोखा अंदाज

महानायक अमिताभ बच्चन उम्र के इस पड़ाव में आकर भी एक से एक शानदार किरदारों को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतार रहे हैं। ऐसे में लगातार बिग बी नए प्रोजेक्ट्स के लिए कास्ट किए जा रहे हैं। अब उनकी अगली फिल्म फक्त पुरुषो माते का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह एक गुजराती फिल्म है, जिसमें बिग बी फिर से अलग और दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। बता दें कि इससे पहले महानायक को 2022 में आई गुजराती फिल्म फक्त महिलाओं माते में भी देखा गया था। अब फक्त पुरुषो माते का ट्रेलर दिलचस्पी बढ़ा रहा है।

फक्त पुरुषो माते के ट्रेलर में अमिताभ को भगवान की भूमिका निभाते

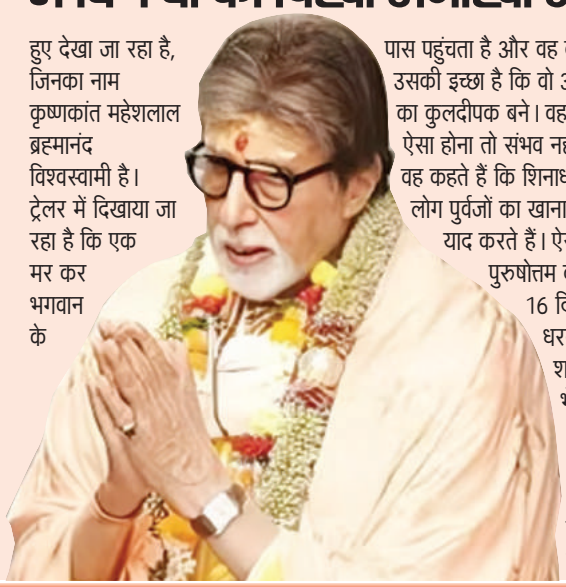

हुए देखा जा रहा है, जिनका नाम कृष्णकांत महेशलाल ब्रह्मानंद विश्वस्वामी है। ट्रेलर में दिखाया जा रहा है कि एक मर कर भगवान के पास पहुंचता है और वह कहता है कि उसकी इच्छा है कि वो अपने परिवार का कुलदीपक बने। वह कहते हैं कि ऐसा होना तो संभव नहीं है, लेकिन वह कहते हैं कि शिनाध के 16 दिन लोग पुर्वजों का खाना रखकर उन्हें याद करते हैं। ऐसे में पुरुषोत्तम को शिनाध के 16 दिनों के लिए धरती पर कुछ शक्तियां देकर भेज देते हैं।

इसके बाद आता है कहानी में ट्वीस्ट। ट्रेलर में मजेदार कॉमेडी का तड़का लगाया गया है। अब ट्रेलर सोशल मीडिया पर काफी वायरल होने लगा है। फिल्म देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हो रहे हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन का भी नया अंदाज उनके चाहने वालों को बेताब कर रहे हैं। बता दें कि यह फिल्म 23 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

बता दें कि फक्त पुरुषो माते को भी फक्त महिलाओं माते के मेकर्स आनंद पंडित और वैशाल शाह ने मिलकर बनाया है। फिल्म निर्देशन और कहानी की जिम्मेदारी जय बोडास और पार्थ त्रिवेदी से संभाल रहे हैं। फिल्म में यश सोनी, मित्रा गढ़वी, ईशा कंसारा और दर्शन जरीवाला जैसे सितारे अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। वहीं, यहां अमिताभ बच्चन का किरदार कुछ-कुछ जगहों पर ही थोड़ी देर के लिए नजर आ रहा है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है भगवान शिव का अनोखा मंदिर

इस शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं जिंदा केकड़े

सावन का पवित्र महीना चल रहा है। सावन के महीने में भक्त भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना करते हैं। बता दें कि हमारे देश में कई ऐसे मंदिर हैं जो अद्भुत हैं और अनोखी परंपराओं की वजह से प्रसिद्ध है। हमारे देश में भगवान शिव के भी अनोखे मंदिर हैं। आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे ही अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। श्रद्धालु भगवान शिव को धतूरा, दूध, फूल, मिठाई आदि चढ़ाते हैं। लेकिन भारत में एक ऐसा शिव मंदिर भी है, जिसके बारे में जानकर आप आश्चर्य में पड़ जाएंगे। भगवान शिव का यह अनोखा मंदिर गुजरात में है। दरअसल, इस शिव मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु भगवान शिव को जिंदा केकड़ा भी चढ़ाते हैं। हम आपको बताते हैं कि आखिर भगवान शिव के मंदिर में जिंदा केकड़ा चढ़ाने की क्या वजह है।

भगवान शिव का यह मंदिर गुजरात के सूरत जिले में है। भगवान शिव के इस मंदिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु शिवलिंग पर जिंदा केकड़ा चढ़ाते हैं। यह मंदिर गुजरात के सूरत में रामनाथ शिव घेला मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। श्रद्धालु मंदिर में शिवलिंग पर जीवित केकड़ा चढ़ाते हैं।

साल में सिर्फ एक ही बार चढ़ा सकते हैं लोग हाथ में जिंदा केकड़े को पकड़कर शिवलिंग पर चढ़ाते नजर आते हैं। मंदिर में काफी भीड़ जुटती है और लोग वहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सूरत के रामनाथ शिव घेला मंदिर में भक्तों द्वारा भगवान शिव को चढ़ाए जाने वाले केकड़ों को बाद में अनुष्ठान के बाद तापी नदी में छोड़ दिया जाता है। बताया जा रहा है कि यहां श्रद्धालु साल में सिर्फ एक बार ही जिंदा केकेड़ा चढ़ा सकते हैं।

यहां एक श्रद्धालु ने जिंदा केकड़ों को रखने की परंपरा के बारे में बताया कि लोगों में मान्यता है कि यदि आप जिंदा केकड़े को चढ़ाते हैं तो कान से जुड़ी समस्याओं से निदान मिल सकती है। वहीं एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, जिंदा केकड़ों को चढ़ाने की प्रथा साल में सिर्फ एक ही बार होती है। मान्यता है कि भगवान शिव को केकड़ा चढ़ाने से बच्चों के कानों में दर्द या फिर कान से जुड़ी कोई समस्या नहीं होती।

नींद से उठते ही महिला बोलने लगी दूसरे देश की भाषा, डॉक्टर्स भी रह गए हैरान

कई बार हमारे जीवन में ऐसी घटनाएं घट जाती हैं जिन पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। सोचिए आप रात को सो रहे हैं और सुबह उठते ही आपकी भाषा और बोलने का तरीका बदल जाए तो। आप सोच रहे होंगे कि भला ऐसा कभी हो सकता है। लेकिन यह सच है और एक महिला के साथ ऐसा हुआ। एक महिला रात को सोकर जब सुबह उठी तो उसकी भाषा और बोलने का तरीका बदल चुका था। इसको देखकर उसके घरवाले ही नहीं बल्कि डॉक्टर्स भी हैरान रह गए। महिला खुद भी हैरान रह गई। महिला ब्रिटेन की रहने वाली है लेकिन अचानक वह स्वीडन के मशहूर ग्रुप ABBA के सदस्य की तरह बोलने लगी। लोगों को यह कोई शरारत है या अपराध या किसी तरह की पिछले जन्म की कहानी जैसी लगेगी। लेकिन असल में महिला को एक खास तरह के सिंड्रोम है जो बाकायदा एक रोग है। यह महिला दुनिया में ऐसी अकेली नहीं है जो इस तरह के सिंड्रोम की शिकार है। 60 वर्षीय जॉर्जिना गैली ने फेसटाइम पर अपनी बहन से बात करते समय उसकी स्वीडिश भाषा पर ध्यान दिया। डॉक्टरों ने स्ट्रोक का संदेह जताया, लेकिन दो सप्ताह बाद उसे फॉरेन एक्सेंट सिंड्रोम का पता चला। पश्चिमी लंदन निवासी दो बच्चों की मां जॉर्जिना ने कहा कि कुछ महीने पहले उसे दिल का दौरा पड़ा था। वह ठीक हो रही थी। वह बहुत अच्छी तरह बोलती थी और अब वह यस के बजाय या बोलती है। जॉर्जिना के एक्सेंट की वजह से लोगों के सामने वे कई बार असहजता का सामना करती हैं। जार्जिया ने बताया कि लोग पूछते हैं कि वह कहां से आई है और जब वह उन्हें बताती है तो लोग हंसते हैं। महिला का कहना है कि वह लंदन में पैदा हुई और पली-बढ़ी है। वह कभी स्वीडन भी नहीं गई। लेकिन फिर भी वहां की भाषा बोल रही है। जॉर्जिना ने बताया कि वह अस्पताल गई और डॉक्टर्स को लगा कि उसे स्ट्रोक हुआ है। महिला को दो सप्ताह तक अस्पताल में रखा गया।

सिंड्रोम का होता है दिमाग पर असर: यह सिंड्रोम दिमाग पर असर होने के बाद वाली कंडीशन जब मरीज किसी सेहत की समस्या या दुर्घटना के बाद दूसरे अंदाज में बोलना शुरू कर देता है। इस तरह के विकार से पीड़ित अब तक 62 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऐसा दिमाग के उन हिस्सों पर असर पड़ने से होता है जो हमारी बोलने के अंदाज को प्रभावित करते हैं।

उद्धव के बयान पर महाराष्ट्र में मचा घमासान

फडणवीस पर किया वार तो बीजेपी अध्यक्ष भड़के

जहरीली भाषा का जवाब जैसे को तैसा दिया जाएगा : बावनकुले

» जात-पात के नाम पर सियासत कर रहे पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले वार-पलटवार का दौर जारी है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के बयान पर महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने पलटवार किया है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर वार करते हुए कहा है कि या तो वो रहेंगे या फिर मैं रहूंगा। उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि महाविकास अघाड़ी ने महाराष्ट्र में महायुति को कड़ी चुनौती दी थी।

बावनकुले ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व छोड़ दिया है, अब उद्धव मुस्लिम और ईसाई मतदाताओं के दम पर देवेंद्र फडणवीस पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे अब जात-पात के नाम पर सियासत कर रहे हैं और धर्म के आधार पर वोट हासिल करने के लिए चाल चल रहे हैं, उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया वो यह दिखाता है कि उद्धव मानसिक रूप से दिवालिया हो गए हैं।

बावनकुले ने कहा, उद्धव ठाकरे के विभाजनकारी भाषा का हम विरोध तो करते ही हैं साथ ही में उद्धव ठाकरे की जहरीली भाषा का जवाब जैसा का तैसा दिया जाएगा। मुंबई के रंगसारदा ऑडिटोरियम में आयोजित शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा कि अनिल देशमुख ने मुझे बताया कि कैसे देवेंद्र फडणवीस ने आदित्य ठाकरे को जेल में डालने की साजिश रच रहे थे। अब या तो तुम रहोगे या मैं रहूंगा। ठाकरे ने कहाकि यह जीवन की सबसे बड़ी चुनौती है और इसके बाद चुनौती देने वाला कोई नहीं बचेगा।

बेसमेंट में शिक्षण सुविधा देने वाले कोचिंग सेंटर होंगे सील : एलजी

नई दिल्ली। बेसमेंट में लाइब्रेरी या शिक्षण की सुविधा देने वाले सभी कोचिंग संस्थानों को सील किया जाएगा। साथ ही छात्रों से मोटी फीस, अधिक घर का किराया और दर से ज्यादा बिजली बिल लेने पर लगाम लगेगी। इन्हें रोकने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाने का निर्णय लिया गया। उपराज्यपाल एक पखवाड़े के भीतर फिर से इसकी समीक्षा करेंगे। बैठक के संबंध में अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव के नेतृत्व में समिति बनाई जाएगी। इसमें कोचिंग संस्थान के 5-6 प्रतिनिधि, छात्रों के प्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति विनियमन, अत्यधिक किराये की रोकथाम, अग्नि की घटना, नालों की सफाई और छात्रों की अन्य तत्काल आवश्यकताओं से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करेगी। वहीं राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत से सबक लेते हुए दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी व शिक्षा निदेशालय हरकत में आ गया है। दिल्ली के स्कूलों में ऐसी घटना को रोकने व बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर निदेशालय ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशालय ने कहा कि सभी स्कूल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए उनके पास उचित बुनियादी ढांचा हो। स्कूलों को इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि यदि बेसमेंट हो तो उसका उपयोग मास्टर प्लान के प्रावधान के अनुसार अनुमति प्राप्त गतिविधियों के लिए किया जाए।

छात्रों की सुरक्षा जरूरी: आतिशी

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने की संघ की तारीफ तो भड़के कपिल सिब्बल, बोले-

सदस्य अपनी राय रख सकते, सभापति नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

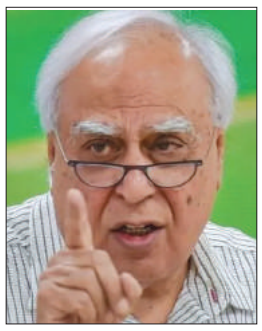

नई दिल्ली। राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा राज्यसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कसीदे पढ़े जाने पर सियासी विवाद गहरा गया है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने धनखड़ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उच्च सदन के सभापति का बयान परंपरा के बिल्कुल उलट है। इस तरह की राय एक सदस्य रख सकता है, मगर सभापति नहीं। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने बुधवार को आरएसएस पर टिप्पणी करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

साथ ही उन्होंने कहा था कि यह राष्ट्र की सेवा में लगा संगठन है और संगठन से जुड़े लोग निस्वार्थ भाव से काम करते हैं। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें टोकने की कोशिश भी की थी। इस हंगामे के बाद बसपा और बीजद सहित विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट कर दिया था। अब सिब्बल ने एक्स पर कहा, धनखड़ जी ने कहा था कि एक संगठन के रूप में आरएसएस की साख बेजोड़ है। इस पर मेरा मानना है कि यह सिर्फ उनकी राय है, जिससे सदन में अन्य लोग असहमत हो सकते हैं। निर्दलीय सांसद ने आगे कहा कि चूंकि धनखड़ राज्यसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस तरह की राय एक सदस्य द्वारा दी जा सकती है, लेकिन सभापति द्वारा नहीं। यह परंपरा के बिल्कुल विपरीत है।

अनुराग गोडसेवादी: अरुण यादव

» आरक्षण को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खंडवा। संसद के सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। पूर्व मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर के राहुल गांधी की जाति को लेकर दिए बयान पर अब कांग्रेस पार्टी भी पलटवार करते नजर आ रही है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने भी इसको लेकर खंडवा में बड़ा बयान दिया है। खंडवा नगर में अपने कार्यकर्ताओं के यहां शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और पीसीसी चीफ अरुण यादव ने मीडिया से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार और संसद में दिए अनुराग ठाकुर के बयान को लेकर पलटवार किया है।

उन्होंने पूर्व मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर को गोडसे वादी बताते हुए कहा कि देश की आजादी दिलाने वाले गांधी परिवार

पर अनुराग ठाकुर जाति का सवाल कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो गोडसे से जुड़े हुए हैं। जब देश आजाद हो रहा था तो ये अंग्रेजों के गुलामी कर रहे थे। राहुल जी ने मुद्दा उठाया है कि देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। देश में जिसकी जितनी जनसंख्या हो, उसकी उतनी हिस्सेदारी होनी चाहिए। लेकिन मध्यप्रदेश की ओर देश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार क्या कर रही है।

2 घंटे की बारिश ने खोली नगर निगम की पोल

» नगर निगम के पास जेई, एई व एक्सियन की कमी

» एक जेई के पास दो जोनों के काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बुधवार को राजधानी में हुई लगभग 2 घंटे की भारी बारिश ने नगर निगम लखनऊ के दावों की पोल खोल दी पूरी राजधानी की सड़के जलभराव के कारण तलाब सरीखी दिखने लगी। समय-समय पर इंजिनियरों की कमी की बातें शासन तक बताई गई पर कोई सुनवाई नही हुई। हालात ये हैं कि नगर निगम के पास जेई एई एक्सियन की कमी है। आलत यह है कि एक जेई के पास 2जोनों के काम हैं। इसी कमी के चलते शहर में सही ढंग से काम नहीं हो पा रहा है।

विधानसभा परिसर के अलावा आसपास का वीआईपी क्षेत्र भी जल भराव से नहीं बच सका है। नगर निगम मुख्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर लबा लब पानी भर गया जबकि निगम के सभी जिम्मेदार अधिकारी इसी में बैठते हैं लेकिन अपने दफ्तर को जल भराव से नहीं बचा पाए। नगर निगम मुख्यालय के टैक्स विभाग, रेंट विभाग, पर्यावरण अभियंता कार्यालय, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, कंप्यूटर विभाग सहित कई दफ्तर में पानी ही पानी नजर आया और कूड़ा कचरा तैरने लगा।

घरों में घुसा पानी

इधर जोरदार बारिश से लखनऊ वासियों को भीषण गर्मी से निजात तो मिली लेकिन लोगो के घरों और दुकानों में पानी घुसने से आर्थिक क्षति भी पहुंची। अमीनाबाद जैसे व्यापारी इलाको के कई प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों में पानी भरने से व्यापारियो को नुकसान भी झेलना पड़ा। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय और महापौर का आवास भी बारिश से बच नहीं सका। नगर निगम के सभी विभागों में गंदा पानी घुस गया और महापौर का आवास पानी से डूब गया।

जायसवाल का कमाल, रैंकिंग में लगाई छलांग

» यशस्वी ने टी-20 रैंकिंग में बाबर-रिजवान को पछाड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पल्लकल। श्रीलंका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद यशस्वी जयसवाल नवीनतम टी-20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज के तीन मैचों में 177.78 की स्ट्राइक रेट और लगभग 27 की औसत से 80 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव तीन मैचों में 195.74 की शानदार स्ट्राइक रेट से 92 रन बनाने के बावजूद दूसरे स्थान पर बने हुए हैं, जबकि ट्रेविस हेड अभी भी उनसे 39 अंक आगे हैं।

इस बीच, जयसवाल ने रैंकिंग में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पछाड़ दिया और 757 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए। शीर्ष 10 में तीसरे भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ हैं जो श्रीलंका श्रृंखला के लिए भारत की टी20ई टीम में नहीं थे। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने पारी की शुरुआत करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 137 रनों के साथ वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। वह रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टी20 सीरीज के बाद कुसल मेंडिस भी दो स्थान आगे बढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शीर्ष 10 में अपना स्थान फिर से हासिल कर लिया है। टी20 विश्व कप से पहले, वह कुछ हफ्तों के लिए नंबर एक टी20 गेंदबाज थे, लेकिन भारत की टीम में जगह नहीं बना सके और अंततः ट्रॉफी जीती। मेगा इवेंट के दौरान बिश्नोई ने टॉप 10 में अपनी जगह गंवा दी और यहां तक कि 20वें स्थान के करीब पहुंच गए।

श्रीलंका टीम से पथिराना और मदुशंका बाहर

भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी-20 श्रृंखला में श्रीलंका के प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाज मथीशा पथिराना की अनुपस्थिति बड़ा झटका है। श्रीलंका और भारत के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज शुक्रवार (2 अगस्त) से शुरू हो रही है। वनडे के तीनों मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 4 और 7 अगस्त को निर्धारित है। तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका चोटों के कारण बाहर हो गए हैं। पथिराना के कंधे में चोट है, जबकि मदुशंका हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे हैं। श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ाते हुए, दुष्मंथा चमीरा, जो अस्वस्थ हैं, और नुवान तुषारा, जिनके अंगूठे में फ्रैक्चर है, वे भी एकदिवसीय श्रृंखला से चूक जाएंगे। चमीरा और तुषारा दोनों पहले ही टी20 सीरीज से अनुपस्थित थे।

फोटो: सुमित कुमार

विधानसभा सत्र विधानसभा सत्र के चौथे दिन सदन में जाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, सपा नेता शिवपाल यादव और विभिन्न दलों के विधायक व सरकार के मंत्रीगण।

हरिशंकर तिवारी की मुर्ति के फाउंडेशन पर चले बुलडोजर को लेकर तीखी झड़प

सदन में सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने उठाया मुद्दा, सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार

» अखिलेश ने कसा तंज कहा- अब मान-सम्मान पर भी चल रहा बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र जारी है। बृहस्पतिवार को विधान परिषद में प्रश्न प्रहर के साथ सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई। कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा भी किया। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा में हरिशंकर तिवारी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने गोरखपुर में मूर्ति के लिए बन रहा फाउंडेशन तोड़वा दिया। इस पर सपा सदस्यों ने हंगामा किया।

उधर इस पर अखिलेश यादव भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान और मकान पर चलता था, लेकिन अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी बुलडोजर चलने लगा है। पंडित हरिशकंर तिवारी के पुत्र चिल्लूपार के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने कहा कि यह राजनीतिक अराजकता और प्रशासनिक ज्यादती है। यह सत्ता के अहंकार की निकृष्ट पराकाष्ठा है। व्यक्तिगत शत्रुता के चलते ब्राह्मण स्वाभिमान को चुनौती दी गई है। इसका निर्णय समय आने पर चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र और प्रदेश के लोग करेंगे।

यूपी के सपने को साकार करने के लिए ये अनुपूरक बजट जरूरी : सीएम योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा को संबोधित करते हुए 12 हजार 209 करोड़ रुपये के पेश किए गए बजट पर कहा कि ये बजट यूपी के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पेश किए गए मूल बजट की 40 प्रतिशत राशि को अलग-अलग विभागों के लिए आवंटित कर दिया गया है। वहीं, 20 प्रतिशत खर्च हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये हमारे प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यूपी की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ी है और प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहायक हुआ है। 2017 के पहले प्रदेश के सामने पहचान का संकट था पर अब प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है।

बीजेपी के बजट में बी का मतलब विश्वासघात : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट को लेकर मोदी सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा है। खरगे ने कहा कि इस बजट में तथाकथित रोजगार संबंधी प्रोत्साहन योजनाएं लाई गई है, लेकिन वो सिर्फ दिखावा है और उससे किसी युवा का भला नहीं होने वाला। खरगे ने कहा कि केंद्रीय बजट में बी का मतलब विश्वासघात है।

खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के बजट में उद्योग पर केवल इंटर्नशिप थोपी गई है, जिसका कोई दीर्घकालिक समाधान नहीं दिखता। मोदी सरकार इन योजनाओं का ब्यौरा कब देगी? खरगे ने कहा कि न तो युवा और न ही उद्योग, जिन्हें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार इंटर्नशिप, पहली बार नौकरी के लिए प्रेरित किया जाना है, उन्हें रोजगार से जुड़ी पांच प्रोत्साहन योजनाओं की रूपरेखा के बारे में कोई जानकारी है। उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस के घोषणापत्र से इस आधे-अधूरे विचार को लागू करने से पहले कोई हितधारक परामर्श किया गया था। दूसरी ओर, मोदी सरकार के बजट में उद्योग पर केवल इंटर्नशिप थोपी गई है, जिसका कोई दीर्घकालिक समाधान नहीं है।

युवती से अभद्रता मामला: पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

» तीन अफसर हटाए गए व चार निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तहजीब के शहर लखनऊ से शर्मसार करने वाले वीडियो ने पूरे देश में इस शहर को आलोचना की वजह बना दिया है। सबसे बड़ी बात योगी पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड के काम करने के तरीके पर भी सवाल उठ रहा है। आखिर ऐस क्या हो गया है कि पुलिस का डर भी शायद अब लोगों में नहीं रह गया है।

हालांकि राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में बुधवार को बारिश के दौरान युवती व उसके साथी के साथ अभद्रता मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। मामले में डीसीपी प्रबल प्रताप सिंह, एडीसीपी अमित कुमावत और एसीपी अंशु जैन को हटा दिया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर गोमती नगर दीपक कुमार पांडेय, चौकी इंचार्ज दरोगा ऋषि विवेक, दरोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि शहर के पॉश इलाके गोमतीनगर में बुधवार दोपहर सरेराह शर्मसार करने वाली वारदात हुई। मरीन ड्राइव के पास पुल के नीचे भरे पानी में हुड़दंग मचा रहे मनचलों ने बाइक से दोस्त के साथ जा रही युवती से अभद्रता की। छेड़छाड़ कर उसे पानी में गिरा दिया। किसी तरह से वह संभली और दोनों वहां से चले गए। उत्पाती युवक यहां घंटों बवाल काटते रहे। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आई और मामले में एफआईआर दर्ज हुई।

पीड़ित छात्र ने कहा घटना से आहत हूं

आज जो हुआ वह कभी सपने में भी सोच नहीं सकता...। यकीन नहीं हो रहा कि तहजीब के शहर लखनऊ में मेरे और मेरी दोस्त के साथ ऐसा हुआ...। वह भी दिनदहाड़े और सरेराह। उपद्रवियों की ये करतूत लखनऊ पर दाग है। शहर में निकलने में डर लगने लगा है। ये कहना है कि उस पीड़ित छात्र का जो अपनी महिला मित्र के साथ गोमतीनगर से गुजर रहा था और उसके साथ हुड़दंगियों ने अभद्रता और छेड़छाड़ की। पीड़ित छात्र ने बताया कि घटना के बाद से उसकी दोस्त खौफ में है। वह घर में कैद हो गई है। उसको बाहर तक निकलने में डर लग रहा है। अराजक युवकों की करतूत भरे दहशत के पल उसके दिल और दिमाग में कैद हो गए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।